Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

License Information

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

1PE

1 पतरस 1:1, 1 पतरस 1:1 (#2), 1 पतरस 1:3, 1 पतरस 1:3 (#2), 1 पतरस 1:4, 1 पतरस 1:5, 1 पतरस 1:7, 1 पतरस 1:7 (#2), 1 पतरस 1:8, 1 पतरस 1:9, 1 पतरस 1:10, 1 पतरस 1:11, 1 पतरस 1:12, 1 पतरस 1:12 (#2), 1 पतरस 1:13–14, 1 पतरस 1:15–16, 1 पतरस 1:17, 1 पतरस 1:18, 1 पतरस 1:18–19, 1 पतरस 1:20, 1 पतरस 1:22, 1 पतरस 1:23, 1 पतरस 1:24, 1 पतरस 1:25, 1 पतरस 2:1, 1 पतरस 2:2, 1 पतरस 2:4–5, 1 पतरस 2:5, 1 पतरस 2:7–8, 1 पतरस 2:9–10, 1 पतरस 2:11–12, 1 पतरस 2:13–15, 1 पतरस 2:16, 1 पतरस 2:18–20, 1 पतरस 2:21–23, 1 पतरस 2:24, 1 पतरस 2:25, 1 पतरस 3:1–2, 1 पतरस 3:3–4, 1 पतरस 3:5–6, 1 पतरस 3:7, 1 पतरस 3:8–9, 1 पतरस 3:10–12, 1 पतरस 3:14, 1 पतरस 3:15, 1 पतरस 3:15–16, 1 पतरस 3:18, 1 पतरस 3:19–20, 1 पतरस 3:21, 1 पतरस 3:22, 1 पतरस 4:1, 1 पतरस 4:3–4, 1 पतरस 4:5, 1 पतरस 4:7, 1 पतरस 4:10–11, 1 पतरस 4:12–13, 1 पतरस 4:15, 1 पतरस 4:17–18, 1 पतरस 4:19, 1 पतरस 5:1, 1 पतरस 5:1–2, 1 पतरस 5:5, 1 पतरस 5:5–7, 1 पतरस 5:8, 1 पतरस 5:8–9, 1 पतरस 5:10, 1 पतरस 5:12, 1 पतरस 5:12 (#2), 1 पतरस 5:13–14

1 पतरस 1:1

पतरस किसके प्रेरित हैं?

पतरस यीशु मसीह के प्रेरित हैं।

1 पतरस 1:1 (#2)

पतरस ने किनके नाम लिखा था?

पतरस ने परदेशियों के नाम लिखा था, जो पुन्तुस, गलातिया, कप्पदूकिया, आसिया, और बितूनिया में तितर-बितर होकर रहते थे।

1 पतरस 1:3

पतरस किन्हें धन्यवाद देना चाहते थे?

पतरस प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता को धन्यवाद देना चाहते थे।

1 पतरस 1:3 (#2)

परमेश्वर ने उन्हें नया जन्म कैसे दिया?

परमेश्वर ने यीशु मसीह को मरे हुओं में से जी उठने के द्वारा, अपनी बड़ी दया से उन्हें नया जन्म दिया।

1 पतरस 1:4

विरासत क्यों अविनाशी, निर्मल, या अजर होगी?

विरासत अविनाशी, निर्मल, या अजर होगी क्योंकि यह विरासत उनके लिये स्वर्ग में रखी थी।

1 पतरस 1:5

वे परमेश्वर की सामर्थ्य से किस प्रकार रक्षा पाएंगे?

वे विश्वास के द्वारा उस उद्धार के लिये, जो आनेवाले समय में प्रगट होनेवाली है, रक्षा पाएंगे।

1 पतरस 1:7

उन्हें नाना प्रकार की परीक्षाओं के कारण दुःख में होना अवश्यक क्यों था?

यह इसलिए था ताकि उनका विश्वास परखा जा सके, और यीशु मसीह के प्रगट होने पर प्रशंसा, महिमा, और आदर का कारण ठहरे।

1 पतरस 1:7 (#2)

नाशवान सोने से भी कहीं अधिक बहुमूल्य क्या है?

विश्वास नाशवान सोने से भी कहीं अधिक बहुमूल्य है।

1 पतरस 1:8

यद्यपि विश्वासियों ने यीशु को नहीं देखा था, फिर भी उन्होंने क्या किया?

वे उनसे प्रेम रखते और उन पर विश्वास करके ऐसे आनन्दित और मगन होते थे, जो वर्णन से बाहर और महिमा से भरा हुआ था।

1 पतरस 1:9

जिन्होंने उन पर विश्वास किया था, उन्हें अपने विश्वास के प्रतिफल में क्या प्राप्त हुआ?

उन्हें अपनी आत्माओं का उद्धार प्राप्त हुआ।

1 पतरस 1:10

भविष्यद्वक्ताओं ने किस विषय में बहुत ढूँढ़-ढाँढ़ और जाँच-पड़ताल की?

भविष्यद्वक्ताओं ने इसी उद्धार के विषय में जो विश्वासी प्राप्त कर रहे थे, और उस अनुग्रह के विषय में जो उन पर होने को था बहुत ढूँढ़ा और जाँच-पड़ताल की।

1 पतरस 1:11

मसीह का आत्मा भविष्यद्वक्ताओं को पहले ही से किस विषय में गवाही देता था?

वह उन्हें मसीह के दुःखों की और उनके बाद होनेवाली महिमा की गवाही देता था।

1 पतरस 1:12

भविष्यद्वक्ता अपनी ढूँढ़-ढाँढ़ और जाँच-पड़ताल के द्वारा किनकी सेवा कर रहे थे?

वे विश्वासियों की सेवा कर रहे थे।

1 पतरस 1:12 (#2)

भविष्यद्वक्ताओं की ढूँढ़-ढाँढ़ और जाँच-पड़ताल की बातों को प्रगट करने की लालसा किन्होंने की थी?

इन बातों को प्रगट होने की लालसा स्वर्गदूत ने भी की थी।

1 पतरस 1:13–14

पतरस ने विश्वासियों को आज्ञाकारी बालकों के समान क्या करने की आज्ञा दी?

उन्होंने उन्हें आज्ञा दी कि वे अपनी-अपनी बुद्धि की कमर बाँधकर, और सचेत रहकर उस अनुग्रह की पूरी आशा रखे जो उन्हें मिलनेवाला है, और पुरानी अभिलाषाओं के सदृश्य न बने।

1 पतरस 1:15–16

पतरस ने क्यों कहा कि विश्वासियों को पवित्र बनना चाहिए?

क्योंकि उन्हें बुलानेवाला पवित्र है।

1 पतरस 1:17

विश्वासियों को अपने परदेशी होने का समय भय से क्यों बिताना चाहिए?

क्योंकि वे "हे पिता" कहकर उनसे प्रार्थना करते हैं, जो बिना पक्षपात हर एक के काम के अनुसार न्याय करते हैं।

1 पतरस 1:18

परदेशी, चुने हुए लोगों का निकम्मा चाल-चलन किससे चला आता था?

उनका निकम्मा चाल-चलन पूर्वजों से चला आता था।

1 पतरस 1:18–19

विश्वासियों का छुटकारा किसके द्वारा हुआ?

उनका छुटकारा चाँदी-सोने के द्वारा नहीं हुआ, परन्तु निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने अर्थात् मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा हुआ।

1 पतरस 1:20

मसीह कब चुने गए थे और कब प्रगट हुए?

मसीह जगत की सृष्टि से पहले चुने गए थे, और अब इस अन्तिम युग में परदेशी, चुने हुए लोगों के लिये प्रगट हुए।

1 पतरस 1:22

विश्वासियों ने अपने मनों को पवित्र कैसे किया?

उन्होंने भाईचारे के निष्कपट प्रेम के निमित्त सत्य के मानने से अपने मनों को पवित्र किया है।

1 पतरस 1:23

विश्वासियों ने नया जन्म कैसे पाया?

उन्होंने अविनाशी बीज से परमेश्वर के जीविते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया।

1 पतरस 1:24

हर एक प्राणी किसके समान है, और उसकी सारी शोभा किसके समान है?

हर एक प्राणी घास के समान है; और उसकी सारी शोभा घास के फूल के समान है।

1 पतरस 1:25

प्रभु के वचन का क्या होता है?

प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है।

1 पतरस 2:1

विश्वासियों से क्या दूर करने के लिये कहा गया था?

उन्हें सब प्रकार का बैर-भाव, छल, कपट, डाह और बदनामी को दूर करने के लिये कहा गया था।

1 पतरस 2:2

विश्वासियों को निर्मल आत्मिक दूध की लालसा क्यों करनी थी?

उन्हें निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करनी थी ताकि वे उद्धार पाने के लिये बढ़ते जाएँ।

1 पतरस 2:4–5

जीविता पत्थर कौन थे, जिसे मनुष्यों ने निकम्मा ठहराया और जो परमेश्वर के निकट चुने हुए थे?

जीविता पत्थर यीशु मसीह थे।

1 पतरस 2:5

विश्वासी भी जीविते पत्थरों के समान क्यों थे?

वे जीविते पत्थरों के समान थे क्योंकि उन्हें आत्मिक घर बनाया जा रहा था।

1 पतरस 2:7–8

राजमिस्त्रियों ने वचन को न मानकर ठोकर क्यों खाया?

राजमिस्त्रियों ने ठोकर खाया क्योंकि वे इसी के लिये ठहराए गए थे।

1 पतरस 2:9–10

विश्वासी एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और परमेश्वर की निज प्रजा क्यों थे?

वे इसलिये चुने गए थे ताकि वे परमेश्वर के गुण प्रगट करें।

1 पतरस 2:11–12

पतरस ने अपने प्रिय लोगों को सांसारिक अभिलाषाओं से बचने के लिये क्यों कहा?

उन्होंने उनसे बचने को कहा ताकि जिन-जिन बातों में वे उन्हें कुकर्मी जानकर बदनाम करते थे, वे उनके भले कामों को देखकर परमेश्वर की महिमा करें।

1 पतरस 2:13–15

विश्वासियों को मनुष्यों के ठहराए हुए हर एक प्रबन्ध के अधीन रहना क्यों था?

उन्हें मनुष्यों के ठहराए हुए हर एक प्रबन्ध के अधीन इसलिये रहना था क्योंकि परमेश्वर उनकी अधीनता से निर्बुद्धि लोगों की अज्ञानता की बातों को बन्द करना चाहते थे।

1 पतरस 2:16

परदेशी, जो चुने हुए हैं, उन्हें अपनी इस स्वतंत्रता को बुराई के लिये आड़ न बनाकर क्या करना था?

उन्हें अपनी स्वतंत्रता का उपयोग अपने आपको परमेश्वर के दास समझकर करना था।

1 पतरस 2:18–20

सेवकों को अपने स्वामियों के अधीन, यहाँ तक कि कुटिलों के भी अधीन क्यों होना था?

सेवकों को कुटिल स्वामियों के भी अधीन होना था क्योंकि भला काम करके दुःख उठाना और धीरज धरना परमेश्वर को भाता है।

1 पतरस 2:21–23

सेवकों को भला काम करके दुःख उठाने के लिये क्यों बुलाया गया था?

क्योंकि मसीह भी उनके लिये दुःख उठाकर उन्हें एक आदर्श दिया और अपने आपको सच्चे न्यायी के हाथ में सौंप दिया।

1 पतरस 2:24

मसीह ने पतरस, विश्वासियों, और सेवकों के पाप अपनी देह पर लिए हुए क्रूस पर क्यों चढ़ गए?

उन्होंने उनके पापों को लिया ताकि वे पापों के लिये मर करके धार्मिकता के लिये जीवन बिताएँ, और मसीह के मार खाने से वे चंगे हुए।

1 पतरस 2:25

वे पहले भटकी हुई भेड़ों के समान थे, वे फिर किसके पास लौट आ गए?

वे अपने प्राणों के रखवाले और चरवाहे के पास फिर लौट आ गए।

1 पतरस 3:1–2

पत्नियों को अपने पति के अधीन क्यों रहना चाहिए?

पत्नियों को अधीन रहना चाहिए ताकि जो पति नहीं मानते हैं, वे बिना वचन के खिंच जाएँ।

1 पतरस 3:3–4

पत्नियों को अपने आपको कैसे सुसज्जित करना चाहिए?

पत्नियों को छिपा हुआ और गुप्त मनुष्यत्व, नम्रता और मन की दीनता की अविनाशी सजावट से अपने आपको सुसज्जित करना चाहिए।

1 पतरस 3:5–6

पतरस ने कौनसी पवित्र स्त्री का उदाहरण दिया, जो परमेश्वर पर आशा रखती थीं और अपने पति के अधीन रहती थीं?

पतरस ने सारा का उदाहरण दिया था।

1 पतरस 3:7

पतियों को बुद्धिमानी से पत्नियों के साथ जीवन निर्वाह क्यों करें?

पतियों को बुद्धिमानी से पत्नियों के साथ जीवन निर्वाह करना चाहिए ताकि उनकी प्रार्थनाएँ रुक न जाएँ।

1 पतरस 3:8–9

पतरस ने क्यों आज्ञा दी कि सभी परदेशी, जो चुने हुए हैं, वे एक मन रहे और आशीष ही दे?

क्योंकि वे आशीष के वारिस होने के लिये बुलाए गए हैं।

1 पतरस 3:10–12

जो कोई जीवन की इच्छा रखता है, वह अपनी जीभ को बुराई से रोके, बुराई का साथ छोड़े, और भलाई ही क्यों करे?

क्योंकि प्रभु की आँखें धर्मियों पर लगी रहती हैं।

1 पतरस 3:14

कौन धन्य हैं?

जो धार्मिकता के कारण दुःख उठाते हैं, वे धन्य हैं।

1 पतरस 3:15

विश्वासियों से परमेश्वर में आशा बनाए रखने के लिये क्या करने को कहा गया?

उन्हें मसीह को प्रभु जानकर अपने-अपने मन में पवित्र समझने को कहा गया ताकि परमेश्वर में आशा बनाए रखें।

1 पतरस 3:15–16

विश्वासियों को सर्वदा उनके परमेश्वर में आशा के विषय में पूछनेवाले को कैसे उत्तर देना चाहिए?

उन्हें उत्तर देने के लिये सर्वदा तैयार रहना है, पर नम्रता और भय के साथ।

1 पतरस 3:18

मसीह ने पापों के कारण एक बार क्यों दुःख उठाया?

मसीह ने एक बार दुःख उठाया ताकि वे पतरस और विश्वासियों को परमेश्वर के पास पहुँचाए।

1 पतरस 3:19–20

उन आत्माओं से, जिन्हें मसीह ने आत्मा के भाव से प्रचार किया, अब वे कैद में क्यों थे?

आत्माएँ जो कैद में हैं, क्योंकि जब परमेश्वर नूह के दिनों में धीरज धरकर ठहरे थे तब उन्होंने आज्ञा न मानी।

1 पतरस 3:21

किस प्रकार का बपतिस्मा विश्वासी को बचाता है?

शरीर के मैल को दूर करने वाला बपतिस्मा नहीं, परन्तु यीशु मसीह के जी उठने के द्वारा शुद्ध विवेक से परमेश्वर के वश में हो जाने का बपतिस्मा विश्वासियों को बचाता है।

1 पतरस 3:22

क्योंकि यीशु स्वर्ग पर जाकर परमेश्वर के दाहिनी ओर विराजमान है, स्वर्गदूतों, अधिकारियों और शक्तियों को क्या करना चाहिए?

सभी को उनके अधीन होना चाहिए।

1 पतरस 4:1

पतरस ने विश्वासियों को किसे धारण करने की आज्ञा दी?

उन्होंने उन्हें यह आज्ञा दी कि जैसा मसीह ने शरीर में होकर दुःख उठाया था, उन्हें उसी मनसा को हथियार के समान धारण करना है।

1 पतरस 4:3–4

अन्यजातियों ने विश्वासियों के विषय में बुरा-भला क्यों कहा?

उन्होंने परदेशी, चुने हुए के विषय में बुरा-भला कहा, क्योंकि उन्होंने अन्यजातियों के समान लुचपन की बुरी अभिलाषाओं, मतवालापन, लीलाक्रीड़ा, पियक्कड़पन, और घृणित मूर्तिपूजा में साथ नहीं दिया।

1 पतरस 4:5

परमेश्वर किनका न्याय करने को तैयार हैं?

परमेश्वर जीवितों और मरे हुओं का न्याय करने को तैयार हैं।

1 पतरस 4:7

विश्वासियों को संयमी और एक दूसरे से अधिक प्रेम क्यों रखना चाहिए?

उन्हें ये काम करने थे क्योंकि सब बातों का अन्त तुरन्त होनेवाला था, और उनकी प्रार्थनाओं के लिये।

1 पतरस 4:10–11

विश्वासियों को एक दूसरे की सेवा करने में मिले वरदानों को क्यों लगाना चाहिए?

उन्हें अपना वरदान सेवा में लगाना चाहिए ताकि यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर की महिमा प्रगट हो।

1 पतरस 4:12–13

विश्वासियों से क्यों कहा गया कि वे आनन्द करें यदि वे मसीह के दुःखों में सहभागी हुए या मसीह के नाम के लिये उनकी निन्दा की जाती है?

यदि मसीह के नाम के लिये उनकी निन्दा की जाती है, तो वे धन्य हैं।

1 पतरस 4:15

किन कामों के लिये मसीहियों को दोष और दुःख नहीं मिलना चाहिए?

मसीहियों को हत्यारे, चोर, कुकर्मी या पराए काम में हाथ डालनेवालों की तरह दुःख नहीं मिलना चाहिए।

1 पतरस 4:17–18

भक्तिहीन और पापी को परमेश्वर का सुसमाचार क्यों मानना चाहिए?

भक्तिहीन और पापी को परमेश्वर का सुसमाचार मानना चाहिए, क्योंकि उनका न्याय धर्मी व्यक्ति के न्याय से भी अधिक कठिन होगा।

1 पतरस 4:19

जो परमेश्वर की इच्छा के अनुसार दुःख उठाते हैं, उन्हें क्या करना चाहिए?

उन्हें भलाई करते हुए, अपने-अपने प्राण को विश्वासयोग्य सृजनहार के हाथ में सौंप देना चाहिए।

1 पतरस 5:1

पतरस कौन थे?

पतरस एक प्राचीन और मसीह के दुःखों के गवाह और प्रगट होनेवाली महिमा में सहभागी होने वाले व्यक्ति थे।

1 पतरस 5:1–2

पतरस ने अपने समान प्राचीनों को क्या करने के लिये समझाया?

उन्होंने उन्हें परमेश्वर के झुण्ड की रखवाली करने के लिये समझाया।

1 पतरस 5:5

नवयुवकों को किसके अधीन रहना चाहिए?

उन्हें वृद्ध पुरुषों के अधीन रहना चाहिए।

1 पतरस 5:5–7

सब को दीनता क्यों रखनी चाहिए और उन्हें एक दूसरे की सेवा क्यों करनी चाहिए?

क्योंकि परमेश्वर दीनों पर अनुग्रह करते हैं, और उचित समय पर उन्हें बढ़ाते हैं।

1 पतरस 5:8

शैतान किसके समान होता है?

शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान है, जो इस खोज में रहता है, कि किसको फाड़ खाए।

1 पतरस 5:8–9

लोगों को क्या करने की आज्ञा दी गई?

उन्हें आज्ञा दी कि वे सचेत रहें, जागते रहें, दृढ़ होकर शैतान का सामना करें, और अपने विश्वास में दृढ़ रहें।

1 पतरस 5:10

थोड़ी देर तक दुःख उठाने के बाद लोगों के साथ क्या होगा?

परमेश्वर उन्हें सिद्ध, स्थिर और बलवन्त करेंगे।

1 पतरस 5:12

पतरस सिलवानुस को किस रूप में समझते हैं?

पतरस सिलवानुस को एक विश्वासयोग्य भाई समझते हैं।

1 पतरस 5:12 (#2)

पतरस ने अपनी लिखी हुई बातों के विषय में क्या कहा?

उन्होंने कहा कि जो उन्होंने लिखा था वह परमेश्वर का सच्चा अनुग्रह था।

1 पतरस 5:13–14

किन्होंने विश्वासियों को नमस्कार कहा और उन्हें एक दूसरे को नमस्कार कैसे करना है?

जो बाबेल में हैं, और मरकुस, जो पतरस का विश्वास में पुत्र है उन्होंने नमस्कार कहा; और प्रेम से चुम्बन लेकर एक दूसरे को नमस्कार करना है।